Tender Heart High School, Sector- 33 B, Chandigarh.

कक्षा - नौवीं

विषय - हिन्दी व्याकरण शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ, दस

उपविषय : 'पर्यायवाची शब्द'

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा नौवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य-पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ एवं दस की पृष्ठ संख्या 251 पर दिए कुछ पर्यायवाची शब्दों का अध्ययन करेंगे।

बच्चो ! हम जीवन में अवसर के अनुकूल वस्त्र धारण करते हैं, भोजन करते हैं तथा व्यवहार करते हैं। शब्द हमारी भाषा के आभूषण हैं, अलंकार हैं ; अत: भाषा का सौंदर्य शब्दों के सौंदर्य पर निर्भर करता है। अवसर के अनुकूल शब्दों का चयन करने से भाषा प्रभावशाली बनती है। अत: शब्दों का भंडार विशाल होना चाहिए। इसके लिए पर्यायवाची शब्द उपयोगी होते हैं। बच्चो ! आपको इन शब्दों को याद करना आवश्यक है।

बच्चो ! पीछे हमने अंक से लेकर कल्पवृक्ष तक पर्यायवाची शब्दों को लिखा एवं याद किया था। अब हम आगे दिए कुछ और पर्यायवाची शब्दों को पढ़ेंगे एवं लिखेंगे। एक शब्द के जितने भी पर्यायवाची शब्द दिए गए हैं ; उन सभी शब्दों को आप पढ़ेंगे एवं लिखेंगे।

आइए, अब 'कामदेव' से आरंभ करते हैं :-

कक्षा - नौवीं   शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा   FREEMIND

विषय - हिन्दी व्याकरण (पर्यायवाची शब्द)

कामदेव	-	मदन, मनोज, कंदर्प, अनंग, मन्मथ
कृषक	-	किसान, हलवाहा, खेतिहर, कृषिजीवी
कान	-	कर्ण, श्रोत्र, श्रवण
क्रोध	-	कोप, अमर्ष, मन्यु, रिस, रोष, आक्रोश
कपट	-	छल, धोखा, छलछिद्र, वंचना
कला	-	गुण, हुनर, कौशल
कुबेर	-	धनपति, किन्नरेश, अलकाधिपति, यक्षराज, धनद
कोमल	-	मुलायम, नरम, नाजुक, मृदु, सुकुमार
खल	-	धूर्त, पामर, अधम, पतित, कुटिल
गंगा	-	भागीरथी, सुरसरि, मंदाकिनी, सुरनदी, त्रिपथगा
गृह	-	भवन, आलय, निकेतन, सदन, गेह
गणपति	-	विनायक, एकदंत, लंबोदर, गजानन, गणेश
गाय	-	गौ, धेनु, सुरभि
घमंड	-	अहंकार, अभिमान, दर्प, गर्व
घोड़ा	-	अश्व, तुरंग, हय, वाजि, घोटक, सैंधव
चतुर	-	प्रवीण, कुशल, निपुण
चंद	-	चंद्रमा, इंदु, सुधांशु, निशापति, सुधाकर, राकेश
चांदनी	-	ज्योत्स्ना, चंद्रिका, कौमुदी
तलवार	-	कृपाण, खड्ग, शमशीर, असि, करवाल, चंद्रहास
तारा	-	नक्षत्र, तारक, नखत उडु
जंगल	-	वन, कानन, विपिन, अरण्य
जन्म	-	उत्पत्ति, उद्भव, आविर्भाव, अवतार
जल	-	पानी, वारि, नीर, तोय, अंबु, उदक
जीभ	-	जिह्वा, रसना, रसा
तालाब	-	सर, तड़ाग, सरोवर, पोखर, जलाशय, पुष्कर
दया	-	कृपा करुणा अनुकंपा
दरिद्र	-	गरीब, निर्धन, रंक, दीन, कंगाल
दुष्ट	-	खल, शठ, दुर्जन, पामर, नीच
दूध	-	पय, क्षीर, दुग्ध, स्तन्य

देव - देवता, अमर, सुर, निर्जर
देह - शरीर, तन, वपु, काया
दैत्य - असुर, दानव, राक्षस, निशाचर
दाँत - दंत, रदन, दशन, द्विज, रद
दास - सेवक, भृत्य, अनुचर, अनुगामी, चाकर, नौकर
दिन - दिवस, वासर, अहन, वार
दुःख - कष्ट, पीड़ा, क्लेश, अवसाद, व्यथा
धन - वित्त, अर्थ, लक्ष्मी, द्रव्य, श्री, संपत्ति
धनुष - कोदंड, शरासन, चाप, धनु, कार्मुक
ध्वजा - झण्डा, पताका, केतु, निशान
धरती - धरित्री, पृथ्वी, भूमि, महि, अचला, धरा, भू
धर्म - पंथ, मज़हब, मत, ईमान
नदी - सरिता, प्रवाहिनी, तरंगिणी, तटिनी, सलिला
नया - नवीन, नव, नूतन, अभिनव
नाव - नौका, जलयान, तरणी, तरी, पोत
नारी - औरत, महिला, स्त्री, अबला, ललना, कामिनी
निर्धन - गरीब दरिद्र रंक कंगाल
निर्मल - स्वच्छ, साफ़, पवित्र, शुद्ध, विमल
नमस्कार - प्रणाम, नमः, प्रणति, अभिनंदन
नाश - ध्वंस, क्षय, विनाश, प्रलय, अवसान
पक्षी - विहग, विहंगम, शकुनि, खग द्विज, पतंग

गृहकार्य

सभी छात्र अपनी व्याकरण की पुस्तक की पृष्ठ संख्या 253 एवं 254 पर दिए गए पर्यायवाची शब्द (कल्पवृक्ष से पक्षी तक) को अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे एवं याद करेंगे। सभी छात्र लिखते समय इनका शुद्ध उच्चारण भी करेंगे।

धन्यवाद।